पाठ्यक्रम का मासिक विभाजन सत्र–2024–25 कक्षा–12 विषय–चित्रकला आलेखन		
क्र0 स0	माह	पाठ्यक्रम
1	अप्रैल	• चित्रकला एवं आलेखन की परिभाषा,आलेखनों के प्रकार इकाई की पुनरावृति करना • स्मृति चित्रण के अन्तर्गत गोलाकार, वर्गाकार आदि ज्यामितीय आकारों में छाया–प्रकाश दर्शाना। • पौधों (फूलो) को देख कर फूलों की पत्तियों, कलियों आदि का रेखाकंन का अभ्यास • दृश्य चित्रण हेतु प्रयोग होने वाले तत्वों यथा पेड़ों , पौधों , झोपड़ियों,साधारण ग्रामीण घरों का रेखांकन।
2	मई	• कक्षा 11 में बनवाये गये अलंकारिक तत्वों से उच्च स्तर के अलंकारिक / प्राकृतिक तत्वों का निर्माण एवं उनमें रंग कार्य करवाया जाए। • स्मृति चित्रण– अंगूर का गुच्छा, तरबूज, खरबूजा, प्लेट में रखा कटा सेब एवं चाकू खीरा,ककडी,पपीता केला (दो या तीन एक साथ) • प्रकृति चित्रण–मई माह में बनवाए गये फूलों, पत्तियों, कलियों के रेखांकन में रंग कार्य करवाना • दृश्य चित्रण– दृश्य चित्रण में प्रयुक्त होने वाले तत्वों जैसे पेड़, पौधे, झाडियों, ग्रामीण घरों का रंगीन चित्रण।
3	जून	• **ग्रीष्मावकाश।**
4	जुलाई	• कमल के फूलों ,पत्तियों, कलियों व लयात्मक रेखाओं के प्रयोग के साथ किसी भी तत्व (जैसे पक्षी, पशु, हिरण आदि) का प्रयोग हो, ऐसा आलेखन बनवाया जाय। चित्रण में इकाई का प्रयोग दो से अधिक हो। चित्र को जल रंगों के द्वारा पूर्ण कराया जाय। कमल के फूल के तीन आलेखन का चित्रण एवं दो को रंगों से पूरा कराना। • स्मृति चित्रण – कद्दू ,शलजम,फूलगोभी, अदरख, टमाटर, कटी सब्जियां ,थाली या प्लेट में रखी सब्जियां चाकू के साथ आदि। • प्रकृति चित्रण– गुड़हल के फूल का रेखाकंन जिसमें पत्तियां, कलियाँ, डंठल के जोड़ आदि के साथ। उक्त रेखांकन को जल रंग द्वारा पूरा कराना। रंगों की पारदर्शिता स्पष्ट दृष्टिगत हो। • प्राकृतिक दृश्य चित्रण–कक्षा ग्यारह से उच्च स्तरीय ग्रामीण (मैदानी) प्रातःकालीन दृश्यचित्रण जिसमें मानवाकृतियाँ . पशु,पक्षी आदि के साथ–साथ वातावरणीय परिवेश का चित्रण एवं रंग कार्य ,द्वारा दृश्यचित्रण को पूरा कराना।
5	अगस्त	• गुलाब के फूलों, पत्तियों, कलियों तथा लयात्मक रेखाओं व पाठ्यक्रम में वर्णित तत्वों यथा, हाथी,घोड़ो, हिरन, तितली, बतख,हंस में से किसी एक का जो उचित हो प्रयोग करते हुए आलेखनों का निर्माण एवं उन्हें रंगों द्वारा पूर्ण कराना। कम से कम दो आलेखन अवश्य बनवाये जायें। आलेखन में दो आवृत्तियाँ आवश्यक हैं। • स्मृति चित्रण– बैडमिण्टन एवं चिडिया (कॉक), फुटबाल/वालीबाल, हाकी, बैटबॉल आदि का चित्रांकन

		• प्रकृति चित्रण— पीला कनेर के फूल का चित्रण का रेखाकन एवं रंग द्वारा रेखांकित/ चित्रित फूल को रंगवाना • दृश्यचित्रण— पहाड़ी दृश्यचित्रण जिसमें पहाड़, नदी, नाले, पहाड़ी , पेड़ आदि के साथ वातावरणीय प्रभाव दिखाया जाय। चि़त्र को रंगों द्वारा पूरा कराना।
6	सितम्बर	• पीला कनेर/सूरजमुखी के फूलों, पत्तियों,कलियों व लयात्मक रेखाओं के साथ वर्गाकार/ आयताकार/वृत्ताकार में कम से कम दो आवृत्तियों के साथ आलेखनों को बनवाया जाय तथा उसमें पाठ्यक्रमानुसार अथवा चित्र में उपयुक्तता के अनुसार कोई एक तत्व अवश्य चित्रित करें। आलेखन को रंगों द्वारा पूरा कराया जाय। • स्मृति चित्रण— पठन पाठन से सम्बन्धित वस्तुओं का चित्रण कराया जाय। जैसे खुली किताब, बन्द किताब, कलम दवात, खुली कलम, रंग की शीशी, ब्रश आदि। • प्रकृति चित्रण— सूरजमुखी के फूल का चित्रण, जिसमें पत्तियों ,कलियों की नसे, जोड़ आदि स्पष्ट दृष्टिगत हों। रेखाकंन कार्य के बाद चित्र को जल रंग द्वारा पूरा कराया जाय। • दृश्य चित्रण— ग्रामीण जीवन का चित्रण जिसमें कुएं से पानी भरती महिलाएं/ हल जोतता किसान/खेलते बच्चे/ वृद्ध लोगों को दर्शाया जाय। वातावरण एवं परिवेश के अनुसार वृक्ष, झोपड़ी आदि जोड़ सकते हैं । चित्र को जल रंग या किसी भी माध्यम के रंग द्वारा दृश्यचित्र को पूरा कराया जाय।
7	अक्टूबर	• डहेलिया/लाल कनेर के फूलों,पत्तियों,कलियों के साथ—साथ किसी पक्षी या तितली का प्रयोग करते हुए किसी भी ज्यामितीय आकार में आलेखन का चित्रांकन एवं रंग कार्य द्वारा पूरा कराना । चित्र में कम से कम दो आवृतियाँ अवश्य हो। • स्मृति चित्रण— रसोई के बर्तन जैसे— भगोना, कढाई, टोटीदार लोटा, केतली, थर्मस, फूलदान, सुराही आदि का चित्रण/ छाया—प्रकाश व यथोचित प्रतिच्छाया का प्रयोग हो। • प्रकृति चित्रण— जीनिया के फूल का चित्रण कराना, जिसमें कम से कम दो,तीन पत्तियां, कलियां तथा पत्तियों का जोड़ स्पष्ट दिखाया जाय। चित्र को जल रंग/किसी भी रंग से पूर्ण कराना। • दृश्य चित्रण— सायंकालीन दृश्य चित्रण जिसमें नदी,नावें, डूबता सूर्य तथा आकाश में बादल दिखाया जाय। पक्षी उड़ते हुए हो। चित्रण कार्य को किसी भी माध्यम के रंग द्वारा पूर्ण कराना। • **अर्द्धवार्षिक परीक्षा।**
8	नवम्बर	• गुलाब के फूलों, पत्तियों, कलियों के साथ—साथ लयात्मक रेखाओं का प्रयोग करते हुए एक दो या तीन आलेखन का चित्रांकन कार्य कराये। आलेखन में यथोचित किसी एक तत्व को भी दर्शायें। चित्रण कार्य में कम से कम दो आवृत्तियाँ हो। चित्र (आलेखन) गोले में या चौकोर में हो। चित्र को रंग कार्य द्वारा पूर्ण कराये। • स्मृति चित्रण — बंद बाक्स, खुला बाक्स, साबुनदानी, अटैची, बंद छाता आदि घरेलू सामगी का चित्रण। • प्रकृति चित्रण— लाल कनेर के पुष्प का चित्रण जिसमें कम से कम तीन पत्तियाँ कलियों का गुच्छा हो। डंठल के जोड़ स्पष्ट दिखायी पड़े। चित्र को जल रंग द्वारा पूर्ण कराया जाय। • दृश्य चित्रण— ग्रामीण दृश्य का चित्राकंन जिसमें गांव की स्त्रियाँ वार्ता करती हों। पुरूष बातें करते हों। पृष्ठभूमि में ग्रामीण परिवेश दर्शायें। आवश्यक हो तो पेड़ पौधे अथवा कोई जानवर गाय, भैस बकरी आदि दिखाते हुये चित्र बनवाये तथा रंग द्वारा चित्र को पूर्ण

		कराया जाय।
9	दिसम्बर	• भारतीय फूलों, पत्तियों एवं कलियों की सहायता से आलेखन का निर्माण कराया जाय। आलेखन में लयात्मक रेखा के साथ–साथ किसी एक यथोचित तत्व का प्रयोग हो। चित्र में कम से कम दो,तीन आवृतियाँ हो। निर्मित आलेखन को जल रंगों द्वारा पूरा कराया जाय। • स्मृति चित्रण– फावड़ा, डलिया,खुरपी, हजारा, दीवार घड़ी , जूता ,चप्पल आदि का चित्रण कराया जाय। चित्र में छाया प्रकाश प्रतिच्छाया अवश्य दर्शायें। • प्रकृति चित्रण– गुलाब के फूल का पत्तियाें, कलियों के साथ, पत्तियों के जोड़ आदि को दिखाते हुए चित्रांकन कराया जाय। चित्र को जल रंग द्वारा पूर्ण करायें। • दृश्य चित्रण– ग्रामीण चित्रण जिसमें पेड़ के नीचे बैठे लोग व चरते हुए जानवर दर्शाएं। पृष्ठ भूमि में कुछ पेड़, पौधे एवं ग्रामीण घर अवश्य हो। चित्र को जल रंग/ किसीभी रंग द्वारा पूर्ण करायें।
10	जनवरी	**पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति कार्य।** **प्री बोर्ड परीक्षा का आयोजन।**
11	फरवरी	**बोर्ड परीक्षा का आयोजन ।**
12	मार्च	––––––––